Page No.
Date : / /

कृषि के क्षेत्र में ऊर्जा का प्रबंधन

ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण के द्वारा जहां ऊर्जा संकट की समस्या का समाधान करना होगा वहीं कृषि और गैर कृषि कार्य के लिए ऊर्जा प्रबंधन से संबंधित पृथक एवं अलग रणनीति बनानी होगी।

पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत पर निर्भरता को कम करने के लिए
↓
गैर पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों के उपयोग को प्राथमिकता देनी होगी भारत जैसे देश में जहां की जलवायु उष्ण कटिबंधीय होने के कारण वर्ष भर सौर्य ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है वहां Solar Pannel की सहायता से विद्युत ऊर्जा का उत्पादन कर ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से ऊर्जा का प्रबंधन किया जा सकता है

लागत ↓
उत्पादकता ↑

संस्थागत स्तर पर जटिलताओं को दूर करने की आवश्यकता

- छोटे जोत आकार
- जोत के अस्थायी अधिकार
- बिचौलिए की भूमिका
- भूमिहीन कृषकों की अधिकता
- परती भूमि की अधिकता
- छोटे सीमांत कृषकों की अधिकता
- कृषि योग्य / अयोग्य बंजर भूमि

e-NAM, e-Learning

- MSP
फसल बीमा योजना

तकनीक

भूमि सुधार कार्यक्रम

Page No.
Date : / /

→ 2nd GRP को सफल बनाने के लिए Infra. के स्तर पर सुधार करके कृषि योग्य भूमि का आर्थिक उपयोग करने के लिए कृषि से संबंधित संरचनागत जटिलताओं को भी दूर करने की आवश्यकता है। स्वतंत्रता के बाद भूमि सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत जहां जमींदारी प्रथा का उन्मूलन किया गया वहीं जोत के ~~ि~~ बिखराव की समस्या के समाधान के लिए चकबंदी कानून को भी लाया गया। कृषकों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने के लिए बिचौलिए की भूमिका को भी समाप्त करने का निर्णय लिया गया। भूमि ~~हदबंदी~~ ~~कानून~~ के द्वारा जोत के आकार की ~~अधिकतम~~ अधिकतम & न्यूनतम सीमा को भी निर्धारित किया गया लेकिन सरकार के द्वारा किए गए ~~इन~~ सभी प्रयासों के बावजूद आज भी आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और राजनीतिक कारणों से जोत के छोटे आकार और अस्थायी अधिकार से संबंधित भूमि व्यवस्था के साथ बिचौलिए की भूमिका बनी हुई है जहां एक तरफ छोटे, सीमांत और भूमिहीन कृषकों की संख्या अधिक होने के कारण कृषि से संबंधित आधारभूत सुविधाओं का अनुकूलतम उपयोग नहीं होने से कृषकों की समस्याएं बनी हुई है वहीं आज भी अधिकांश कृषक जीवन निर्वाहन के लिए ही कृषि योग्य भूमि का उपयोग कर रहे है। यहां तक की कृषि योग्य बंजर भूमि और कृषि अयोग्य बंजर भूमि को परती या खाली छोड़े जाने के कारण इनका आर्थिक उपयोग नहीं हो पा रहा है।